RJ-03

June - Examination 2018

B. A. Pt. II Examination

मध्यकालीन राजस्थानी गद्य

Paper - RJ-03

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : ओ पेपर खण्ड 'अ', 'ब', 'स' मांय बंट्योड़ौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा, खण्ड 'ब' में छोटा अर खण्ड 'स' में मोटा पड़ूत्तर देवणा है। हरेक खण्ड रै आगै दियोड़ा निर्देशां मुजब आपरा जवाब लिखौ।

खण्ड – अ **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्ड रा सगळा सवालां रा जवाब देवणा जरूरी है। आप रै जवाब री सीमा 30 सबदां सूं बेसी नीं हुवणी चाईजै। हरेक सवाल 2 अंक रौ है।

1) (i) ''टब्बा'' कांइ हुवै?

(ii) ''सिलोका'' में कांई वरणाव कर्‌यौ जावै है?

(iii) ''नैणसी री ख्यात'' मारवाड़ रा किण सासक रै बगत लिखीजी?

(iv) कविराजा बांकीदास किण राज रा राजकवि हा?

(v) ''वचनिका'' रा कितरा भेद हुवै?

(vi) ''दवावैत'' रा कितरा भेद हुवै?

(vii) किणी दो प्रेमप्रधान वातां रा नांव लिखौ।

(viii) ''जगदेव पंवार री वात'' में कथानायक जगदेव किण राजा रौ आश्रित हौ?

(ix) राजस्थानी रा दो चावा दवावैतां रा नांव लिखौ।

(x) ''वचनिका राठौड़ रतन सिंह महेसदासोत री'' रा रचनाकार कुण है?

खण्ड – ब **4 × 10 = 40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्ड में सूं किणी चार सवालां रा जवाब 200 सबदां री सींव में लिखौ। हरेक सवाल 10 अंक रौ है।

2) मध्यकालीन धारमिक गद्य माथै टिप्पणी करौ।

3) वचनिका अर दवावैत रौ भेद उजागर करौ।

4) मुंहणौत नैणसी रौ जीवन परिचै उजागर करौ।

5) राजस्थानी ख्यात साहित्य माथै टिप्पणी लिखौ।

6) धारमिक वातां माथै सांतरी टीप लिखौ।

7) राजस्थानी वातां री कथावस्तु किण भांत सूं खास हुवै? इणनै स्पष्ट करौ।

8) वचनिका साहित्य रौ वरगीकरण करौ।

9) कलात्मक गद्य साहित्य कांई हुवै? स्पष्ट करौ।

खण्ड – स **2 × 20 = 40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्ड सूं कोई दो सवालां रा जवाब 500 सबदां री सींव में देवणा है। हरेक सवाल 20 अंक रौ है।

10) मध्यकालीन राजस्थानी गद्य साहित्य रौ उद्‌भव अर विकास विस्तार साथै समझाऔ।

11) चावी ख्यात रचना ''मूंहियाड़ री ख्यात'' री अैतियासिक, सामाजिक अर सांस्कृतिक दीढ सूं निरख–परख करौ।

12) राजस्थानी वातां री विविध विसेसतावां विस्तार साथै समझावौ।

13) वचनिका रौ अरथ स्पष्ट करतां थकां राजस्थानी री खास–खास वचनिकावां रौ परिचै देवौ।